इन्द्र सदन गीत

इन्द्र विश्व के राजा हैं,
भय त्राता हैं जग वन्दन हैं।
इन्द्र सदन के सभी छात्र मिल,
हम करते अभिनन्दन हैं।।
लगा लुभाने आज धरा को,
इन्द्र तुम्हारा यौवन है।
आज खुशी से नाच रहा जन,
पुलकित तन हर्षित मन है।
काले बादल लेकर जब नभ,
जीवन में रस भर लाता है।
रिमझिम रिमझिम बूँदें गिरती,
जन जन का मन हर्षाता है।
सूर्य सोम का साथ युगों से,
जैसे नित्य चला आता है
इन्द्र वरुण का साथी बनकर,
मेघ मल्हार सदा गाता है।
इन्द्र सदन में वे आते हैं,
जो भी पुण्य कमाते हैं।
पर पीड़ा को देख स्वयं,
जिनके लोचन भर आते हैं।

सत्यकाम यादव
(भूतपूर्व शैक्षणिक प्रभारी)